अनुदान संख्या 89 – अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 89–DEPARTMENT OF SPACE

		कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
				(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्व:	**Revenue:**			
प्रभारित-	*Charged–*	*50,00*	*1,68*	*–48,32*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*			*शून्य Nil*
स्वीकृत-	Voted–	2907,38,00	2876,85,05	–30,52,95
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			29,12,00
पूंजीगत:	**Capital:**			
प्रभारित-	*Charged–*	*40,00*	. .	*–40,00*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*			*शून्य Nil*
स्वीकृत-	Voted–	2050,76,00	1286,09,24	–764,66,76
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			762,88,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग के *प्रभारित* अंश में, *11.00 लाख रु.* का *विनियोग* चार शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

Notes and comments

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of *Rs.11.00 lakhs* remained wholly unutilised under four heads.

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष "3451" सचिवालय - आर्थिक सेवाएं	Major Head "3451" Secretariat-Economic Services				
मू.	O.	745.00	909.00	907.63	–1.37
पु.	R.	164.00			

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष "3252" उपग्रह प्रणालियां	Major Head "3252" Satellite Systems				
मू.	O.	7202.00	6119.00	6117.39	–1.61
पु.	R.	–1083.00			
मुख्य शीर्ष "3402" अंतरिक्ष अनुसंधान	Major Head "3402" Space Research				
मू.	O.	282791.00	280798.00	280660.03	–137.97
पु.	R.	–1993.00			

(I) 110.00 लाख रु. का प्रावधान दो शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of Rs.110.00 lakhs remained wholly unutilised under two heads.

(II) मुख्य शीर्ष "3252" - "प्रचालन और अनुरक्षण" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(II) Under Major Head "3252" – "Operation and Maintenance" – savings occurred under the following heads:-

(का) "इनसैट - 3 उपग्रह" - 142.38 लाख रु. की बचत (166.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आयातित संघटकों और सामग्रियों संबंधी अदायगी संशोधित सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर अगले वर्ष के लिए जमा किए जाने और परीक्षण एवं निर्माण प्रभारों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(A) "INSAT–3 Satellites" – saving of Rs.142.38 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.166.00 lakhs) was due to spillover of payments for imported components and materials to next year based on revised delivery schedule and requirement of less funds towards testing and fabrication charges.

(खा) "इनसैट-4 उपग्रह" - 1297.05 लाख रु. की बचत (4096.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम अनुसूची के आधार पर जिओसैट परियोजनाओं संबंधी तकनीकी सुविधाओं के लिए परीक्षण, निर्माण प्रभार एवं सहायता के लिए कम रोकड़ प्रवाह होने के कारण हुई।

(B) "INSAT–4 Satellites" – saving of Rs.1297.05 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4096.00 lakhs) was due to reduced cash flow for testing, fabrication charges and support for technical facilities for GEOSAT projects based on programme schedule.

(III) मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(III) Under Major Head "3402" – savings occurred under the following heads:-

(का) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''पीएसएलवी सतत परियोजना'' - 245.98 लाख रु. की बचत (20200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर उद्योग में प्रक्षेपण वाहन चरणों के लिए उप प्रणाली संबंधी सामग्रियों की अधिप्राप्ति संबंधी अदायगी एवं निर्माण प्रभारों को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ख) ''जीएसएलवी एमके-III विकास'' - 1389.21 लाख रु. की बचत (13586.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एल 110 के लिए इंजनों और सी-25, एस-200 से संबंधित अन्य सामग्रियों की सुपुर्दगी अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ग) ''अंतरिक्ष कैप्सूल रिकवरी प्रयोग'' - 300.16 लाख रु. की बचत (1200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एसआरई-II प्रक्षेपण को अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और एसआरई-02 बायो रिएक्टर की सुपुर्दगी एवं कार्बन प्रोसेसिंग में विलम्ब होने के कारण हुई।

(घ) ''जी. सैट-4'' - 171.90 लाख रु. की बचत (290.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पूर्तियों और सामग्रियों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ङ) ''रिसोर्ससैट - 2 और 3'' - 113.64 लाख रु. की बचत (316.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम अनुसूची के आधार पर उप प्रणाली परीक्षण प्रभारों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(च) ''दिशानिर्देशात्मक उपग्रह प्रणाली'' - 426.30 लाख रु. की बचत (2196.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर पूर्तियों और सामग्रियों के लिए कम नकदी प्रवाह होने के कारण हुई।

(A) "Space Technology" –

(a) "PSLV Continuation Project (PSLV-C)"– saving of Rs.245.98 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.20200.00 lakhs) was due to phasing out payments towards procurement of materials for subsystem and fabrication charges for launch vehicle stages at the Industry based on delivery schedule.

(b) "GSLV MK-III Development" – saving of Rs.1389.21 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.13586.00 lakhs) was due to postponement of delivery of engines for L110 and other materials related to C-25, S-200, to the next financial year.

(c) "Space Capsule Recovery Experiment (SRE)" – saving of Rs.300.16 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1200.00 lakhs) was due to postponement of launch of SRE-II to the next financial year and delay in delivery of SRE-02 Bio-reactor and carbon processing.

(d) "G.SAT-4" – saving of Rs.171.90 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.290.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards supplies and materials.

(e) "Resourcesat – 2 & 3" – saving of Rs.113.64 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.316.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards subsystem testing charges and other expenses based on programme schedule.

(f) "Navigational Satellite System" – saving of Rs.426.30 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2196.00 lakhs) was due to less cash flow for supplies and materials based on programmatic requirements.

(छ) ''भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान'' - 3000.00 लाख रु. की बचत (17500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी विज्ञान के नए भवनों पर होने वाले व्यय को प्रगति की स्थिति के आधर पर चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ज) ''सेमी क्रायोगोनिक इंजन विकास'' - 659.01 लाख रु. की बचत (1500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी और पूर्ति की स्थिति के आघार पर इंजन सामग्रियों की अधिप्राप्ति संबंधी अदायगियों को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(झ) ''भू प्रेक्षण - नए मिशन (सरल, टीईएस हाइप, डीएमएसएआर-1 और कार्टोसैट-3)'' - 224.26 लाख रु. की बचत (300.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) टीईएस-हाइपरस्पेक्ट्रल, डीएमएसएआर-1 और कार्टोसैट-3 परियोजनाएं तैयार न किए जाने के कारण हुई।

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(क) ''विकास और शैक्षिक संचार इकाई'' - 3610.57 लाख रु. की बचत (5688.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंघी विचारों के आधार पर दूर-शिक्षा और वीआरसी नेटवर्क पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ख) ''भू प्रेक्षण अनुप्रयोग मिशन'' - 190.64 लाख रु. की बचत (440.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजनाओं अर्थात फसल साफ्टवेयर विकास और कृषि में पानी के उपयोग, बहु सुदूर संवेदन और भूभौतिक आंकड़ा एकीकरण एवं मूल्यांकन की लागत में कमी आने के कारण हुई।

(ग) ''राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली'' - 436.41 लाख रु. की बचत (2000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकासात्मक आयोजना के संबंध में इसके कार्यान्वयन की स्थिति के आधार पर अंतरिक्ष

(g) "Indian Institute of Space Science and Technology (IIST)" – saving of Rs.3000.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.17500.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on IIST new buildings based on status of progress.

(h) "Semi Crygonic Engine Development" – saving of Rs.659.01 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1500.00 lakhs) was due to phasing out of payments for procurement of Engine Materials based on delivery and supply status.

(i) "Earth Observation – New Missions (SARAL, TES Hyp, DMSAR-1 & Cartosat-3)" – saving of Rs.224.26 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.300.00 lakhs) was due to non-formation of TES-Hyperspectral, DMSAR-1 & Cartosat-3 projects.

(B) "Space Applications" –

(a) "Development and Educational Communication Unit (DECU)" – saving of Rs.3610.57 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5688.00 lakhs) was due to phasing out expenditure on Tele-education and VRC network based on programmatic considerations.

(b) "Earth Observation Applications Mission [EOAM]" – saving of Rs.190.64 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.440.00 lakhs) was due to decrease in cost of projects viz., FASAL software development and water use in agriculture, multi remote sensing and geophysical data integration and evaluation.

(c) "National Natural Resources Management System (NNRMS)" – saving of Rs.436.41 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2000.00 lakhs) was due to requirement

आधारित सूचना सहायता के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

of less funds towards space based information support for developmental planning based on its implementation status.

(घ) ''आपदा प्रबंधन सहायता'' - 2280.31 लाख रु. की बचत (3000.00 लाख रु.के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में)एएलटीएम सर्वेक्षण और ए-एसएआर विकास एवं प्रवर्तन के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(d) "Disaster Management Support (DMS)" – saving of Rs.2280.31 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards ALTM surveys and A-SAR development and commissioning.

(गा) ''अंतरिक्ष विज्ञान'' -

(C) "Space Sciences" –

(क) ''इसरो - भूमंडल जीवमंडल कार्यक्रम'' - 878.07 लाख रु.की बचत (2578.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इसरो-भूमंडल जीवमंडल कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के लिए विकास की स्थिति को ध्यान में रखते हुए नकदी प्रवाह की आवश्यकता का आकलन किए जाने के कारण हुई।

(a) "ISRO-Geosphere Biosphere Programme (ISRO-GBP)" – saving of Rs.878.07 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2578.00 lakhs) was due to assessment of cashflow requirement for various programme under IGBP taking into account development status.

(ख) ''राष्ट्रीय वायुमंडल अनुसंधान प्रयोगशाला'' - 231.45 लाख रु. की बचत (1543.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) नए कार्यक्रम के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(b) "National Atmospheric Research Laboratory (NARL)" – saving of Rs.231.45 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1543.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards new programme.

(ग) ''अन्य स्कीमें'' - 368.34 लाख रु. की बचत (1425.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सम्मेलन/संगोष्ठी आयोजित किए जाने, अंतरिक्ष-विज्ञान संवर्धन और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान अनुप्रयोग के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(c) "Other Schemes" – saving of Rs.368.34 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1425.00 lakhs) was due to requirement of less funds in organising Conference/ Symposium, Space Science Promotion and Micro-gravity Research applications.

(घ) ''संवेदक पेलोड विकास/ग्रहीय विज्ञान कार्यक्रम'' - 385.33 लाख रु. की बचत (500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) ग्रहीय विज्ञान प्रयोगों की कार्यक्रम संबंधी समीक्षा की वजह से लघु उपग्रह के पेलोड विकास के ब्योरो को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण हुई।

(d) "Sensor Payload Development/ Planetary Science Programme" – saving of Rs.385.33 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.500.00 lakhs) was due to non-finalisation of the details of payload development for small satellite owing to programmatic review of Planetary Science experiments

(ङ) ''भारतीय चंद्र मिशन - चंद्रयान-1और 2'' - 244.98 लाख रु. की बचत (538.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर कार्यालय व्ययों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(च) ''वायुमंडलीय अध्ययनों के लिए लघु उपग्रह'' - 100.24 लाख रु. की बचत (200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वायुविलय अध्ययनों के लिए लघु उपग्रह संबंधी अदायगी को प्रगति के लक्ष्यों के आधर पर चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(IV) दो शीर्षों के अंतर्गत 170.17 लाख रु. की बचतें हुईं जो प्रत्येक 50.00 लाख रु. से अधिक परन्तु 100.00 लाख रु. से कम और स्वीकृत प्रावधान का 27 प्रतिशत और 42 प्रतिशत थीं।

3. उपर्युक्त बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(का) मुख्य शीर्ष ''3451'' - ''सचिवालय - अंतरिक्ष विभाग'' - 162.63 लाख रु. का अधिक व्यय (745.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुआ; और

(खा) मुख्य शीर्ष ''3252'' - ''प्रचालन और अनुरक्षण - मुख्य नियंत्रण सुविधा'' - 364.82 लाख रु. का अधिक व्यय (2930.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुआ।

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम और छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(गा) ''मुख्य शीर्ष ''3402'' -

(क) ''निदेशन और प्रशासन - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय'' - 683.82 लाख रु. का अधिक व्यय (5128.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की

(e) "Indian Lunar Mission – Chandrayaan-1&2" – saving of Rs.244.98 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.538.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards office expenses based on programmatic requirements.

(f) "Small Satellite for Atmospheric Studies" – saving of Rs.100.24 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.200.00 lakhs) was due to phasing out of payment on small satellite for aerosol studies based on progress milestones.

(IV) Under two heads savings of Rs.170.17 lakhs occurred, each exceeding Rs.50.00 lakhs but not exceeding Rs.100.00 lakhs and constituting 27 percent and 42 percent of the sanctioned provision.

3. The above savings were partly offset by excess under the following major heads:-

(A) Major Head "3451" –"Secretariat - Department of Space" – excess of Rs.162.63 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.745.00 lakhs); and

(B) Major Head "3252" – "Operations and Maintenance – Master Control Facility (MCF)" – excess of Rs.364.82 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2930.00 lakhs).

Excess under the above two heads was due to requirement of additional funds for implementation of Performance Related Incentive Scheme (PRIS) and 6th Central Pay Commission Report.

(C) Major Head "3402" –

(a) "Direction and Administration – Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" – excess of Rs.683.82 lakhs (against the sanctioned provision of

तुलना में) बंगलौर में बसने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होने की वजह से चिकित्सा व्ययों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ख) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(i) ''विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र'' - 1887.99 लाख रु. का अधिक व्यय (44692.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम, छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने, अतिरिक्त विद्युत आहरण के लिए केरल राज्य विद्युत बोर्ड को जमा राशि अदा करने, अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों के लिए अपेक्षित अपूर्तियों और सामग्रियों में वृद्धि होने तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के व्ययों में वृद्धि होने के कारण अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ii) ''द्रव प्रणोदन प्रणाली केन्द्र'' - 1247.19 लाख रु. का अधिक व्यय (23460.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रणोदन प्रणाली संबंधी फ्रिक्शन स्टिर वेल्डिंग प्रौद्योगिकी के लिए प्रौद्योगिकी विकास की पहल पर पिछले वर्ष से जमा हुई अदायगियों और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों को की गई अदायगियों पर सेवा कर के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(iii) ''इसरो उपग्रह केंद्र'' - 1171.94 लाख रु.का अधिक व्यय (25939.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम और छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों को की गई अदायगियों पर सेवा कर और 2009-10 के दौरान अधिप्राप्त वाहनों से संबंधित पथ कर के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(iv) ''विद्युत-प्रकाशिकी प्रणालियों के लिए प्रयोगशाला'' - 303.07 लाख रु. का अधिक व्यय (2448.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परियोजना कार्यक्रमों में वृद्धि होने की वजह से वैद्युत/एसी/डीजी

Rs.5128.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for medical expenses owing to increase in number of retired employees settling in Bangalore.

(b) "Space Technology" –

(i) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" – excess of Rs.1887.99 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.44692.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for implementation of PRIS, 6th Central Pay Commission Report, payment of deposit amount to Kerala State Electricity Board for drawal of additional power, increase in supplies & materials required for R&D programmes and increase in CISF expenses.

(ii) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" – excess of Rs.1247.19 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.23460.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards spillover payments from previous year on technology development initiative on Friction Stir Welding technology for propulsion system and service tax on payments made to CISF personnel.

(iii) "ISRO Satellite Centre (ISAC)" – excess of Rs.1171.94 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.25939.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for implementation of Performance Related Incentive Scheme (PRIS) and 6th Central Pay Commission Report, for service tax on payments made to CISF personnel and for road tax in respect of vehicles procured during 2009-10.

(iv) "Laboratory for Electro-Optics Systems (LEOS)" – excess of Rs.303.07 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2448.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards Electrical/AC/

अनुरक्षण के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

DG maintenance owing to increased project schedules.

(v) ''सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - शार'' - 1868.13 लाख रु. का अधिक व्यय (22128.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम और छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल व्ययों, लांच परिसर सुविधाओं में वृद्धि होने, लांच परिसर सुविधाओं के अतिरिक्त हिस्से-पुर्जों, संघटकों उप असेम्ब्लियों एवं उपस्करों से संबंधित पिछले वर्ष की जमा अदायगियों, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों को की गई अदायगियों पर सेवा कर की अदायगी और पुराने क्वार्टरों की लागत में वृद्धि के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(v) "Satish Dhawan Space Centre - SHAR (SDSC-SHAR)" – excess of Rs.1868.13 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.22128.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for implementation of Performance Related Incentive Scheme (PRIS) and 6th Central Pay Commission Report, towards increase in CISF expenses, launch complex facilities, spillover payments of last year related to spares, components, sub-assembles & equipments of launch complex infrastructures, payment of service tax on payments made to CISF personnel and increase in maintenance cost of old quarters.

(vi) ''इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क'' - 245.92 लाख रु. का अधिक व्यय (6754.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम और छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(vi) "ISRO Telemetry, Tracking & Command Network (ISTRAC)" – excess of Rs.245.92 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.6754.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for implementation of Performance Related Incentive Scheme (PRIS) and 6th Central Pay Commission Report.

(vii) ''जीएसएलवी प्रचालनात्मक परियोजना'' - 544.59 लाख रु. का अधिक व्यय (25771.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जीएसएलवी के लिए हल्की मिश्रधातु की संरचनाओं के निर्माण से संबंधित लक्ष्य आधारित अदायगियों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(vii) "GSLV Operational (GSLV-O) Project" – excess of Rs.544.59 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.25771.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards milestone payments for the fabrication of light alloy structures for GSLV.

(viii) ''सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला'' - 167.00 लाख रु. का अधिक व्यय (4500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रचालनात्मक व्ययों में वृद्धि, कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम और छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(viii) "Semi-conductor Laboratory (SCL)" – excess of Rs.167.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards increase in operational expenses, implementation of Performance Related Incentive Scheme(PRIS) and 6th Central Pay Commission Report.

(ग) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(c) "Space Applications" –

(i) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र'' - 1681.49 लाख रु.का अधिक व्यय (19197.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुआ; और

(ii) ''राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र'' - 1775.21 लाख रु. का अधिक व्यय (10423.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुआ।

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम, छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने और केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों को की गई अदायगियों पर सेवा कर की अदायगी के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(iii) ''क्षेत्रीय सुदूर संवेदी सेवा केंद्र'' - 307.93 लाख रु. का अधिक व्यय (1082.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) डाटा अधिप्राप्ति, विद्युत और पुस्तकालय की पुस्तकों की लागत में वृद्धि होने के कारण हुआ।

(घ) ''अंतरिक्ष विज्ञान'' -

(i) ''भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला'' - 478.00 लाख रु. का अधिक व्यय (6232.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्य निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन स्कीम, छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने, अनुसंधान कार्यकलापों में वृद्धि, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों को की गई अदायगियों पर सेवा कर की अदायगी के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ii) ''रेस्पांड'' - 349.90 लाख रु. का अधिक व्यय (1300.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निधीयन सहायता के लिए अधिक परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने के कारण हुआ।

(iii) ''वायुमंडल विज्ञान कार्यक्रम'' - 784.00 लाख रु. का अधिक व्यय (2096.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) नए उपकरणों जैसे कि एडब्ल्यूएस, मेट टावरों, एमबीएलएम लिडर के

(i) "Space Applications Centre (SAC)" – excess of Rs.1681.49 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.19197.00 lakhs); and

(ii) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" – excess of Rs.1775.21 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.10423.00 lakhs).

Excess under the above two heads was due to requirement of additional funds for implementation of Performance Related Incentive Scheme (PRIS), 6th Central Pay Commission Report and towards payment of service tax on payments made to CISF personnel.

(iii) "Regional Remote Sensing Service Centres (RRSSCs)" – excess of Rs.307.93 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1082.00 lakhs) was due to increase in cost of data procurement, electricity and library books.

(d) "Space Sciences" –

(i) "Physical Research Laboratory [PRL]" – excess of Rs.478.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.6232.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for implementation of Performance Related Incentive Scheme (PRIS), 6th Central Pay Commission Report, increase in research activities and payment of service tax on payments made to CISF personnel.

(ii) "RESPOND" – excess of Rs.349.90 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1300.00 lakhs) was due to receipt of more project proposals for funding support.

(iii) "Atmospheric Science Programme (ASP)" – excess of Rs.784.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2096.00 lakhs) was due to requirement

विकास, मौसम नेटवर्क स्थापित करने और उन्नत प्रेक्षण के लिए सी बैंड, एक्स बैंड और बादल रेडार के स्वदेशी विकास के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

of additional funds towards development of new instruments such as AWS, MET Towers, MBLM Lidar to set up weather networks and indigenous development of C Band, X Band and Cloud Radar for advance observation.

(ङ) ''अन्य व्यय - विशेष स्वदेशीकरण/अग्रिम आदेश'' - 142.25 लाख रु. का अधिक व्यय (1286.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्ष सामग्रियों और इलेक्ट्रानिक संघटकों के विकास, लिथियम आयन सेलों के विकास और उत्पादन के लिए उपस्करों से संबंधित पिछले वर्ष की जमा अदायगी के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(e) "Other Expenditure - Special Indigenisation/Advanced Ordering" – excess of Rs.142.25 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1286.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards development of space materials and electronic components, spillover payment of last year relating to equipments for development and production of Lithium Ion cells.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के *प्रभारित* अंश में, *40.00 लाख रु.* का *विनियोग* पांच शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of *Rs.40.00 lakhs* remained wholly unutilised under five heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

5. In the voted portion of the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
मुख्य शीर्ष ''5252'' उपग्रह प्रणालियों पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "5252" Capital Outlay on Satellite Systems				
मू.	O.	37422.00	18873.00	18864.29	–8.71
पु.	R.	–18549.00			
मुख्य शीर्ष ''5402'' अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "5402" Capital Outlay on Space Research				
मू.	O.	167654.00	109915.00	109744.95	–170.05
पु.	R.	–57739.00			

(I) 5012.00 लाख रु. का प्रावधान चार शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; इनमें से 5000.00 लाख रु. अकेले मुख्य शीर्ष ''5252'' - ''अंतरिक्षयान - इनसैट-4 प्रक्षेपण सेवाएं'' के अंतर्गत इनसैट-4जी उपग्रह के बीमा प्रभारों में कमी होने, कार्यक्रम संबंधी विचारों के आधार पर जीसैट-10 प्रक्षेपण सेवाएं, लक्ष्य आधारित अदायगियां और जी सैट-8 बीमा अदायगी अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण लेखाबद्ध किए गए।

(II) मुख्य शीर्ष ''5252'' के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) ''अंतरिक्षयान - इनसैट-4 उपग्रह'' - 12799.58 लाख रु. की बचत (28204.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आयोजना चरण पर कार्य के रुके होने और प्रगति की स्थिति के आधार पर जीसैट-10 और जीसैट-12 के लिए संघटकों/सामग्रियों की अधिप्राप्ति संबंधी अदायगियों को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(खा) ''मुख्य नियंत्रण सुविधा - इनसैट एमसीएफ'' - 1724.53 लाख रु. की बचत (3518.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मुख्य नियंत्रण सुविधा, भोपाल में भू केंद्र भवन के निर्माण के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और संविदा के लिए अंतिम रूप दी गई लक्ष्य आधारित अदायगी के लिए कोई अग्रिम अदायगी न किए जाने और पोनमुंडी एवं माउंट आबू में आप्टिक टेलीस्कोप परियोजना से संबंधित सिविल निर्माण कार्य में विलम्ब होने के कारण हुई।

(III) मुख्य शीर्ष ''5402'' के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''जीएसएलवी एमके-III विकास'' - 2491.36 लाख रु. की बचत (8114.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उच्च दाब क्रायोजेनिक टैंकों, स्थल पर प्रगति के आधार पर शार, वीएसएससी एवं एलपीएससी में मुख्य निर्माण कार्यों पर होने वाले व्यय और प्रगति के आधार पर परीक्षण निर्माण सुविधाओं/उपस्करों की स्थापना और प्रवर्तन संबंधी लक्ष्य आधारित अदायगी को अगले वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(I) Provision of Rs.5012.00 lakhs remained wholly unutilised under four heads; of these Rs.5000.00 lakhs alone accounted for under the Major head "5252" – "Spacecrafts - INSAT-4 Launch Services"– due to reduction in insurance charges for INSAT-4G Satellite, Postponement of GSAT-10 Launch services, milestone payments and GSAT-8 insurance payment to next year based on programmatic considerations.

(II) Under Major Head "5252" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Spacecrafts-INSAT-4 Satellites" – saving of Rs.12799.58 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.28204.00 lakhs) was due to works being still under planning stage and phasing out of payments on procurement of components/ materials for GSAT-10 & GSAT-12 based on progress status.

(B) "Master Control Facility (MCF)-INSAT MCF" – saving of Rs.1724.53 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3518.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards construction of Earth station building at MCF, Bhopal and no advance payment made for the milestone payment finalised for the contract and delay in civil works related to Optic Telescope Project at Ponmudi and Mt. Abu.

(III) Under Major Head "5402" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" –

(a) "GSLV MK-III Development" – saving of Rs.2491.36 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.8114.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on High pressure Cryogenic Tanks, major works at SHAR, VSSC & LPSC based on progress at site and milestone payment on installation & commissioning of test fabrication facilities/ equipments to next year based on status of progress.

(ख) ''द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र'' - 2399.02 लाख रु. की बचत (4910.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर कार्यों उप प्रणाली सुविधाओं और अन्य द्रव इंजन परीक्षण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने और तकनीकी सुविधाओं जैसे कि क्रार्यो प्रणाली परीक्षण प्रणाली सुविधा और आरबीवीएफ सुविधाओं के लिए नियंत्रण कक्ष के निर्माण पर होने वाले व्यय को अगले वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ग) ''विद्युत-प्रकाशिकी प्रणालियों संबंधी प्रयोगशाला'' - 1066.11 लाख रु.की बचत (2011.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्ति की स्थिति के आधार पर प्रकाशीय सुविधा और आयोजना की स्थिति के आधार पर विद्युत-प्रकाशिकी प्रणालियों संबंधी प्रयोगशाला में संवेदक उत्पादन सुविधा के निर्माण पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(घ) ''सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - शार'' - 278.11 लाख रु.की बचत (11379.00 लाख रु.के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रगति के आधार पर प्रक्षेपण परिसर सुविधाओं और श्रीहरिकोटा सामान्य सुविधाओं पर कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ङ) ''इसरो टेलीमटरी, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क'' - 348.13 लाख रु. की बचत (3348.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्ति की स्थिति के आधार पर टीटीसी सुविधाओं और कम्प्यूटर सुविधाओं को स्थापित उनमें वृद्धि किए जाने पर होने वाले व्यय को अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(च) ''ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन सतत परियोजना'' - 755.68 लाख रु.की बचत (1800.00 लाख रु.के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी विचारों के आधार पर परीक्षण और निर्माण उपस्करों को अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(b) “Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)” – saving of Rs.2399.02 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4910.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on Cryo subsystem facilities and other liquid engine test facilities based on delivery schedule and phasing out of expenditure on construction of Control room for technical facilities such as Cryo system Test system facility and RBVF facilities to the next financial year.

(c) “Laboratory for Electro-Optics Systems (LEOS)” – saving of Rs.1066.11 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2011.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on Optical facility based on procurement status and construction of sensors production facility at LEOS, Bangalore based on planning status.

(d) “Satish Dhawan Space Centre – SHAR (SDSC-SHAR)” – saving of Rs.278.11 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.11379.00 lakhs) was due to requirement of less funds on launch complex facilities and Sriharikota common facilities based on progress.

(e) “ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)” – saving of Rs.348.13 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3348.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on setting up/ augmenting TTC facilities and computer facilities to the next year based on procurement status.

(f) “Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV) Continuation Project”–saving of Rs.755.68 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1800.00 lakhs) was due to postponement of test and fabrication equipments to the next financial year based on programmatic considerations.

(छ) ''जीएसएलवी प्रचालनात्मक परियोजना'' - 545.62 लाख रु.की बचत (1729.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रक्षेपण परिसर से संबंधित व्यय को पिछले वर्ष में डाल दिए जाने, कार्य की प्रगति के आधार पर महेंद्रगिरि में चरण एकीकरण भवन पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ज) ''ओशनसैट - 2 और 3'' - 229.33 लाख रु. की बचत (370.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आंकड़ा संसाधन एवं अन्य उपस्करों, प्रक्षेपण पश्चात प्रचालनों एवं आंकड़ा संसाधन लागत में कमी होने के कारण हुई।

(झ) ''दिशानिर्देशन उपग्रह प्रणाली'' - 4655.37 लाख रु.की बचत (24804.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्ति की स्थिति के आधार पर अंतरिक्षयान एवं पेलोड उपप्रणाली सामग्रियों/संघटकों, आईआरएनएसएस भूखंड उपस्करों/सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने और इसरो उपग्रह एकीकरण और परीक्षण स्थापना, बंगलौर में यांत्रिक प्रणाली क्षेत्र, उपग्रह दिशानिर्देशन कार्यक्रम से संबंधित निर्माण कार्यों को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण हुई।

(ञ) ''रिसोर्ससैट - 2 और 3'' - 1191.73 लाख रु. की बचत (3184.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सीसीडी सिग्नल प्रोसेसर एवं 6-एक्सिस रोबो पालिशिंग मशीन के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, अधिप्राप्ति की स्थिति के आधार पर पेलोड एवं अंतरिक्षयान से संबंधित आयातित संघटकों/सामग्रियों संबंधी व्यय को अगले वर्ष के लिए जमा किए जाने, पूर्तिकर्ताओं से प्राप्त संशोधित सुपुर्दगी कार्यक्रम और कार्यक्रम संबंधी विचारों के आधार पर आंकड़ा संसाधन और आंकड़ा ग्रहण उपस्करों, इलेक्ट्रानिक संघटकों एवं सामग्रियों पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ट) ''मानवयुक्त (मैंड) मिशन का सूत्रपात/मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम'' - 20402.20 लाख रु. की बचत

(g) "GSLV Operational Project"– saving of Rs.545.62 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1729.00 lakhs) was due to preponement of expenditure to previous year related to launch complex and phasing out of expenditure on stage integration building at Mahendragiri based on progress of work.

(h) "Oceansat – 2&3" – saving of Rs.229.33 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.370.00 lakhs) was due to reduction in data processing and other equipments, post launch operations cost and data processing cost.

(i) "Navigation Satellite System" – saving of Rs.4655.37 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.24804.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on Spacecraft and Payload subsystem materials/ components, IRNSS ground segment equipments/facilities based on procurement status and non-finalisation of works relating to Mechanical systems Area, Satellite Navigation Programme at ISRO Satellite Integration and Test Establishment (ISITE), Bangalore.

(j) "Resourcesat – 2&3" – saving of Rs.1191.73 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3184.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards CCD Signal processor & 6-axis robo polishing Machine, spillover of expenditure on imported components/ materials for the payload and spacecraft to next year based on procurement status, postponement of expenditure on Data Processing and Data reception equipments, electronic components & materials based on revised delivery schedule from suppliers and programmatic considerations.

(k) "Manned Mission Initiatives/Human Space Programme" – saving of Rs.20402.20

(21000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सरकार द्वारा परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण हुई।

(ठ) ''सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास'' - 12145.34 लाख रु. की बचत (14000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्ति की स्थिति के आधार पर सेमीक्रायो परीक्षण सुविधाओं पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने और वीएसएससी तिरुवनंतपुरम स्थित फ्यूलड्रालिक प्रयोगशाला के लिए भवन निर्माण से संबंधित अनुमानों को अंतिम रूप दिए जाने में विलंब होने के कारण हुई।

(ड) ''भू प्रेक्षण - नए मिशन - (सरल, टीईएस हाइप, डीएमएसएआर एवं कार्टोसैट-3)'' - 881.27 लाख रु. की बचत (1000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) टीईएस-हाइपरस्पैक्ट्रल, डीएमएसएआर-1 और कार्टोसैट-3 परियोजनाएं तैयार न किए जाने के कारण हुई।

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(क) ''आपदा प्रबंधन सहायता'' - 493.26 लाख रु. की बचत (1000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर डोपलर मौसम रेडार और अन्य उपस्करों से संबंधित लक्ष्य आधारित अदायगियों को अगले वर्ष के लिए पुनर्निर्धारित किए जाने और चिरापूंजी में एंटेना से संबंधित अनुमानों को अंतिम रूप दिए जाने में विलम्ब होने के कारण हुई।

(ख) ''राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केंद्र'' - 1200.47 लाख रु.की बचत (3683.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी पक्षों को ध्यान में रखते हुए भू प्रेक्षण उपग्रहों के लिए एकीकृत बहु मिशन भू खंड की स्थापना पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने और आपातकालीन प्रबंधन के लिए आधारित राष्ट्रीय डाटा, भू प्रेक्षण उपग्रहों, पारगमन गृह, सुरक्षा कार्यालय एवं विज्ञान परिसर के लिए बाहरी विद्युत पूर्ति से

lakhs (against the sanctioned provision of Rs.21000.00 lakhs) was due to non-approval of the project by the Government.

(l) "Semi Cryogenic Engine Development" – saving of Rs.12145.34 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.14000.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on Semicryo test facilities based on procurement status and delay in finalisation of estimates in respect of construction of building for Fueldraulic Lab at VSSC, Thiruvananthapuram.

(m) "Earth Observation - New Missions - (SARAL, TES Hyp, DMSAR & Cartosat-3)" – saving of Rs.881.27 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1000.00 lakhs) was due to non-formulation of the TES-Hyperspectral, DMSAR-1 and Cartosat -3 projects.

(B) "Space Applications" –

(a) "Disaster Management Support (DMS)" – saving of Rs.493.26 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1000.00 lakhs) was due to rescheduling of milestone payments in respect of Doppler Weather Radar & other equipments to the next financial year based on delivery schedule and delay in finalisation of estimates in respect of antenna at Chirapunjee.

(b) "National Remote Sensing Center (NRSC)" – saving of Rs.1200.47 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3683.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on setting up of Integrated Multi Mission Ground Segment for Earth Observation Satellites (IMGEOS) taking into account the programmatic aspects and retendering of work relating to external power supply for National Data based for

संबंधित कार्य की निविदा पुन: जारी किए जाने के कारण हुई।

Emergency Management (NDEM), Integrated Multi-Mission Ground Segment for Earth Observation Satellites (IMGEOS), Transit house, Security Office and Science Complex.

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान" -

(C) "Space Science" –

(क) "एस्ट्रोसैट" - 778.72 लाख रु. की बचत (1883.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकास की स्थिति के आधार पर एक्स-रे पेलोड, एलएएक्सपीसी पेलोड और यूवीआईटी पेलोड एवं पेलोड निर्माण/परीक्षण और अंतरिक्षयान संघटकों पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(a) "Astrosat" – saving of Rs.778.72 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1883.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on X-ray payload, LAXPC payload and UVIT payload and payload fabrication/testing and spacecraft components to the next financial year based on development status.

(ख) "भारतीय चंद्र मिशन - चंद्रयान-1 और 2" - 6988.15 लाख रु. की बचत (8462.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रगति की स्थिति के आधार पर आईआईएसयू भवन के लिए कम नकदी प्रवाह होने और चंद्रयान-2 और इसके अंतरापृष्ठों के लिए पेलोड को अंतिम रूप न दिए जाने की वजह से पेलोड और अंतरिक्षयान संघटकों/सामग्रियों की अधिप्राप्ति पर होने वाले व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(b) "Indian Lunar Mission – Chandrayan - 1 & 2" – saving of Rs.6988.15 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.8462.00 lakhs) was due to reduced cash flow requirement for IISU building based on status of the progress, postponement of expenditure on payload and spacecraft components/ materials procurement owing to non-finalisation of payload for Chandrayaan-2 and its interfaces.

(ग) "मेघा-ट्रोपिक्यूज" - 356.13 लाख रु. की बचत (1262.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम अनुसूची के आधार पर अंतरिक्षयान और पेलोड उपस्करों संबंधी अदायगियों को चरणबद्ध किए जाने, विक्रेता द्वारा सूचित संशोधित सुपुर्दगी अनुसूची के आधार पर पेलोड एवं अंतरिक्षयान संघटकों एवं सामग्रियों से सबंधित नकदी प्रवाह को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(c) "Megha-Tropiques" – saving of Rs.356.13 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1262.00 lakhs) was due to phasing out payments towards spacecraft and payload equipments based on programme schedule, postponement of cash flow towards payload and spacecraft components and materials based on revised delivery schedule indicated by the vendor.

(घा) "आवास" -

(D) "Housing" –

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र" - 833.01 लाख रु. की बचत (865.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुंलना में) आक्कुलम में क्वार्टरों के निर्माण को अंतिम रूप दिए जाने में विलम्ब होने के कारण हुई।

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre" – saving of Rs.833.01 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.865.00 lakhs) was due to delay in finalisation of construction of quarters at Aakkulam.

(ख) ''द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र'' - 204.12 लाख रु. की बचत (214.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र, बंगलौर में विद्युत प्रणोदन प्रणाली प्रयोगशाला के विस्तार से संबंधित कार्य को अंतिम रूप दिए जाने में विलम्ब होने के कारण हुई।

(ग) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र'' - 447.00 लाख रु. की बचत (1040.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) थल्तेज में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के क्वार्टरों के निर्माण के लिए अनुमानों को अंतिम रूप दिए जाने में विलम्ब होने के कारण हुई।

(ङ) ''अन्य व्यय - विशेष स्वदेशीकरण/अग्रिम आदेश'' - 14100.00 लाख रु. की बचत (20100.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वास्तविक प्रगति के आधार पर वीएलएसआई सुविधाओं के उन्नयन पर होने वाले व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

6. उपर्युक्त बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(I) मुख्य शीर्ष ''5252'' - ''अंतरिक्षयान - इनसैट-3 उपग्रह'' - 972.40 लाख रु.का अधिक व्यय (694.00 लाख रु. के स्वीकृम प्रावधान की तुलना में) इनसैट-3डीआर परियोजना संबंधी पेलोड सामग्रियों एवं अंतरिक्षयान संघटकों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(II) मुख्य शीर्ष ''5402'' -

(का) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र'' - 1637.85 लाख रु. का अधिक व्यय (15775.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) केरल मैटीरियल्स मिनरल्स लि. में टाई स्पोंज उत्पादनीकरण सुविधा स्थापित किए जाने और ट्रावन्कोर कोचीन कैमिकल्स लिमिटेड, कोच्चि में सोडियम क्लोरेट सुविधा स्थापित किए जाने के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(b) "Liquid Propulsion Systems Centre" – saving of Rs.204.12 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.214.00 lakhs) was due to delay in finalisation of work relating to Extension of Electric Propulsion Systems Laboratory at LPSC, Bangalore.

(c) "Space Applications Centre" – saving of Rs.447.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1040.00 lakhs) was due to delay in finalisation of estimates for construction of CISF quarters at Thatlej.

(E) "Other Expenditure - Special Indigenisation/Advance Ordering" – saving of Rs.14100.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.20100.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on upgradation of VLSI facilities based on the actual progress.

6. The above savings were partly offset by excess under the following major heads:-

(I) Major Head "5252" – "Spacecrafts - INSAT-3 Satellites" – excess of Rs.972.40 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.694.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards procurement of payload materials and spacecraft components for INSAT-3DR project.

(II) Major Head "5402" –

(A) "Space Technology" –

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" – excess of Rs.1637.85 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.15775.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards setting up of Ti Sponge productionisation facility at Kerala Materials Minerals Ltd. (KMML) and establishment of Sodium Chlorate facility at Travancore Cochin Chemicals Limited, Kochi.

(ख) ''इसरो उपग्रह केंद्र'' - 948.03 लाख रु. का अधिक व्यय (4513.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भावी आईआरएस मिशनों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी विकास संबंधी उपस्करों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(b) "ISRO Satellite Centre (ISAC)" – excess of Rs.948.03 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4513.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards procurement of equipments for advanced technology development for future IRS missions.

(ग) ''रिसैट-1'' - 253.20 लाख रु. का अधिक व्यय (304.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड के निर्माण, पिछले वर्ष से अग्रेनीत अंतरिक्षयान संघटकों और सामग्रियों की अधिप्राप्ति और सिंथेटिक अपरचर रेडार पेलोड बनाए जाने के लिए पेलोड परीक्षण उपस्करों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(c) "RISAT-1" – excess of Rs.253.20 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.304.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards fabrication of payload, procurement of spacecraft components and materials carried forward from previous year and payload test equipments for realisation of synthetic aperture radar payload.

(घ) ''उन्नत संचार उपग्रह'' - 622.33 लाख रु. का अधिक व्यय (400.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) जीसैट-11 के लिए अपेक्षित प्रणोदक टैंकों और पेलोड संघटकों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(d) "Advanced Communication Satellite" – excess of Rs.622.33 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.400.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards propellant tanks and payload components required for GSAT-11.

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(B) "Space Applications" –

(क) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र'' - 9429.60 लाख रु. का अधिक व्यय (5167.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) नए अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र परिसर के निकट अतिरिक्त भूमि की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(a) "Space Applications Centre (SAC)" – excess of Rs.9429.60 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5167.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for procurement of additional land near new SAC campus.

(ख) ''क्षेत्रीय सुदूर संवेदी सेवा केंद्र'' - 700.77 लाख रु. का अधिक व्यय (1106.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कोलकाता में अतिरिक्त भूमि के अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(b) "Regional Remote Sensing Service Centres (RRSSCs)" – excess of Rs.700.77 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1106.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for acquiring of additional land at Kolkata.

(गा) ''आवास - सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - शार'' - 398.99 लाख रु. का अधिक व्यय (501.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कर्मचारियों के लिए नए घरों का

(C) "Housing - Satish Dhawan Space Centre - SHAR" – excess of Rs.398.99 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.501.00 lakhs) was due

निर्माण किए जाने और घरों के उन्नयन के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(घा) ''अन्य व्यय - केंद्रीय प्रबंधन'' - 828.00 लाख रु. का अधिक व्यय (1260.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) बंगलौर के निकट देवनहल्ली में भूमि के अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

to requirement of additional funds towards construction of new houses for the staff and upgrading of houses.

(D) "Other Expenditure - Central Management" – excess of Rs.828.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1260.00 lakhs) was due to requirement of additional funds for acquiring of land at Devanahalli near Bangalore.